विदर्भ के ग्रामीण किसानों की आकांक्षाएँ, अपेक्षाएँ और चुनौतियाँ

Aspirations, Expectation and Challenges of Rural farmers in Vidarbha

मनोविज्ञान विषय में एम.फिल. उपाधि के लिए प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र- 2014-15

शोधार्थी

बृजेश यादव

2014/05/214/007

मनोविज्ञान विभाग

(शिक्षा विद्यापीठ)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित)

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा – 442005 (महाराष्ट्र) भारत

विषयानुक्रमणिका

आभार **2----3**

सारांश **4**

प्रथम अध्याय- प्रस्तावना **5----7**

द्वितीय अध्याय- सैद्धांतिक पृष्ठभूमि **8----15**

- **i.** आकांक्षा की सैद्धांतिक समझ व उसके निर्धारक
- **ii.** अपेक्षा- संप्रत्यय एवं कारक
- **iii.** आकांक्षा एवं अपेक्षा के बीच संबंध
- **iv.** चुनौती का संप्रत्यय एवं उसके कारक

तृतीय अध्याय- प्रविधि **16----17**

- **i.** शोध अभिकल्प
- **ii.** प्रतिदर्श
- **iii.** प्रदत्त संग्रहण एवं विधि
- **iv.** शोध प्रक्रिया

चतुर्थ अध्याय - परिणाम **18----39**

पंचम अध्याय - विवेचना एवं निष्कर्ष **40----53**

संदर्भ ग्रंथसूची **54----57**

परिशिष्ट **58----68**

सारांश

यवतमाल एवं वर्धा जिले के ग्रामीण किसान प्रतिभागियों के बीच आत्महत्या के प्रयास राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुचर्चित है। देश एवं राज्य की सरकार और गैर सरकारी संस्थानों के द्वारा आत्महत्या की घटनाओं को रोकने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं किन्तु यहाँ के ग्रामीण किसान प्रतिभागियों के द्वारा की जाने वाली आत्महत्या की बढ़ती दर पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। अनेक समाज वैज्ञानिकों द्वारा शोध-कार्य इस दिशा में हो रहे हैं। किन्तु यहाँ के किसान–जीवन से जुड़े हुए अनेक मनोवैज्ञानिक प्रश्नों को समझा नहीं गया है। अतएव प्रस्तुत शोध-कार्य में यवतमाल एवं वर्धा जिले के उन गाँवों से,जहाँ पर आत्महत्या की घटनाएं प्राय: घटती रहती है, ग्रामीण किसान प्रतिभागियों के एक उपयुक्त प्रतिदर्श का चयन किया गया। कुल 22 ग्रामीण किसान प्रतिभागियों से उनके जीवन से जुड़े अनेक आयामों (जैसे, स्वास्थ्य, शिक्षा, निवास, पड़ोसियों, रिश्तेदारों, सरकारी सहायता एवं कृषि) से संबंधित आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और चुनौतियों से संबंधित विषय पर संरचित एवं असंरचित साक्षात्कार के माध्यम से कुछप्रश्न पूछे गए। ग्रामीण किसान प्रतिभागियों के द्वारा दिये गए उत्तरों का सहसंबंध गुणांक एवं मध्यांक और बहुलांक के आधार पर विश्लेषण करके यह पाया गया कि उनकी कुछ आकांक्षाएँ, अपेक्षाएँ और चुनौतियाँ एक दूसरे से संबंधित हैं और कुछ के बीच कोई संबंध नहीं पाया गया। विशेषकर, परिवार को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने से संबंधित चुनौतियाँ अत्यधिक हैं, ख़र्चीले समारोह उनकी मन:स्थिति को तीव्र रूप से प्रभावित करते हैं। सामाजिक समर्थन की काफी कमी दिखाई देती है। कृषि-उत्पादकता का स्तर ग्रामीण किसान प्रतिभागियों के लिए मुख्य चुनौती बना हुआ है। इस तरह से, वर्तमान समय में तेजी से बदलती सामाजिक परिस्थिति, बाजारीकरण, परिवार का स्वरुप और सरकारी नीतियाँ ग्रामीण किसान की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को बदल रही हैं और नयी-नयी चुनौतियाँ उत्पन्न कर रही हैं।

मुख्य शब्द : ग्रामीण किसान, आकांक्षाएँ, अपेक्षाएँ, चुनौतियाँ

SUMMARY

Suicidal attempts are quite prevalent among farmers of Yavatmal and Wardha district in Maharashtra. Many attempts have been made by government and non-governmental institutions to prevent farmer's suicides. Multiple social scientific studies have also been pursued but farmer's suicide remains same as a problem. However, psychological studies remain un-attempted in this direction. Therefore, in present work, a small interview survey was conducted among 22 farmers. Queries were related with their aspirations, expectations and challenges regarding personal, familial and social concerns. Results revealed gap between some aspirations, expectations and challenges. In particular, several dilemmas were noted for nutrition, social support, agriculture and delivery of government assistance.

Key words: rural farmers, aspirations, expectations, challenges